“नया संसद भवन आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक होगा”: लोक सभा अध्यक्ष

.....

प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने नए संसद भवन का शिलान्यास करने के आग्रह को स्वीकार किया : लोक सभा अध्यक्ष

.....

नया संसद भवन भारत के लोकतन्त्र का स्तम्भ होगा: लोक सभा अध्यक्ष

...

प्रत्येक संसद सदस्य के लिए 40 वर्गमीटर के कार्यालय की व्यवस्था की जाएगी : लोक सभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 2020 : लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज नई दिल्ली में अपने निवास स्थान पर प्रेस से बातचीत की।

श्री बिरला ने यह जानकारी दी कि नए संसद भवन का शिलान्यास 10 दिसम्बर 2020 को किया जाएगा। उन्होने यह भी बताया कि प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने शिलान्यास करने के आग्रह को स्वीकार किया है।

श्री बिरला ने कहा कि नए संसद भवन के निर्माण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी और अनेक सदस्यों ने आधुनिक सुविधाओं से सम्पन्न भवन की मांग की थी। उन्होने यह भी कहा कि वर्तमान भवन में आधुनिक संचार व्यवस्था, सुरक्षा तथा भूकंप के लिए विनिर्दिष्ट दिशानिर्देशों के अनुपालन की सीमित संभावनाएं हैं। उन्होने यह जानकारी भी दी कि भावी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नए भवन में लोक सभा कक्ष में 888 सदस्यों और संयुक्त बैठकों के दौरान 1224 के बैठने की व्यवस्था होगी। इसी तरह राज्य सभा कक्ष में 384 सदस्य बैठ सकेंगे।

श्री बिरला ने कहा कि पिछले साल दोनों सभाओं द्वारा किए गए अनुरोध के बाद, प्रधान मंत्री ने नए संसद भवन के प्रस्ताव को मंजूरी दी। उन्होने यह भी कहा कि 130 करोड़ देशवासियों के लिए यह गर्व की बात है कि स्वतन्त्रता के बाद पहली बार पूरे देश के कारीगर और मूर्तिकार मिलकर नए संसद भवन का निर्माण करेंगे। भारत की सांस्कृतिक विविधता का परिचय देने वाला यह भवन आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक होगा।

श्री बिरला ने आगे यह कहा कि भारत का लोकतन्त्र और हमारी संसद समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं तथा पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ और मजबूत हुए हैं। उन्होने कहा कि नया संसद भवन भारत के लोकतन्त्र का स्मारक होगा जो न केवल हमारे गौरवशाली इतिहास बल्कि भारतवासियों की शक्ति, विविधता और उद्यमिता का प्रतीक होगा।

परियोजना का ब्योरा देते हुए श्री बिरला ने बताया कि नया संसद भवन चार मंजिल का होगा और इसे 971 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 64500 वर्ग मीटर क्षेत्र में निर्मित किया जाएगा। उन्होने यह भी कहा कि हमारी स्वतन्त्रता की 75वीं वर्षगांठ पर संसद का सत्र नए संसद भवन में बुलाए जाने का प्रस्ताव है।

श्री बिरला ने यह जानकारी भी दी कि आने वाले समय में प्रत्येक संसद सदस्य के लिए 40 वर्ग मीटर के कार्यालय की व्यवस्था की जाएगी। इस कार्य को 2024 तक पूरा किए जाने का लक्ष्य है।

श्री बिरला ने यह भी कहा कि नए संसद भवन का डिजाइन अहमदाबाद के मैसर्स एचसीपी डिजाइन एंड मेनेजमेट प्राइवेट लिमिटेड ने अगले 100 साल की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है। उन्होने यह भी बताया कि चूंकि नई दिल्ली और इसके आसपास के इलाके भूकंप क्षेत्र V में आते हैं, इसलिए नए भवन निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार भूकंप से सुरक्षा के लिए पर्याप्त रक्षोपायों की व्यवस्था की जा रही है।

नया भवन सभी आधुनिक दृश्य-श्रव्य (आडिओ- विज़ुअल) संचार व्यवस्था और डाटा नेटवर्क प्रणाली से सुसज्जित होगा। पर्यावरण की सुरक्षा की ओर विशेष रूप से ध्यान दिया जा रहा है और निर्माण कार्य के दौरान संसद सत्रों में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं होगा।